OM - 20 - 2020 DELHI_Page 1 and 2 27/12/2019 1:58 PM Page 8

इन्होंने भी स्वीकारा, परमात्मा निराकार ज्योतिस्वरूप

हम परमात्मा के बारे में और उसके स्वरूप पर थोड़ा विचार कर समझने का प्रयास करें तो पायेंगे कि शिव निराकार ज्योति स्वरूप को ही सभी ने परमात्मा या ईश्वर के रूप में स्वीकार किया है। भले वो मान्यताएं इतनी प्रखर और ज़्यादा प्रभावी न भी रही हों, फिर भी लोग उन मान्यताओं पर चलने की कोशिश करते हैं।

परमात्मा के बारे में बात करें तो अलग-अलग धर्म वाले अपनी-अपनी परंपरा से निराकार को ही याद करते हैं, जैसे कि मुस्लिम धर्म की बात करें तो उनकी ये मान्यता है कि मक्का में रखे हुए पवित्र पत्थर का दर्शन जीवन में एक बार अवश्य करना चाहिए। उस पत्थर को 'ओवल शेप' में रखा गया है। उसे 'संग ए असवद' कहते हैं और 'अल्लाह' भी कहते हैं। उसे कई 'नूर ए इलाही' भी कहते हैं। नूर का मतलब ही है प्रकाश। इसलिए हर मुसलमान भाई जब भी नमाज़ पढ़ता है तो मक्का की दिशा में ही मुख करके पढ़ता है। जीसस ने भी कहा, 'गॉड इज़ लाइट, आई एम द सन ऑफ गॉड।' उन्होंने कभी नहीं कहा कि 'आई एम गॉड।' वहीं पर 'ओल्ड टेस्टामेंट' में दिखाया है कि हज़रत मूसा जब माउण्टेन पर गये तो उन्हें परमज्योति का साक्षात्कार हुआ, जिसको उन्होंने नाम दिया 'जेहोवा'। इसलिए चर्च में आप जायेंगे तो वहाँ मोमबत्तियां जलती हुई मिलेंगी जो परमात्मा के निराकार स्वरूप का प्रतीक है। वहीं सिक्ख धर्म में भी गुरूनानक ने 'एक ओंकार सतनाम, कर्ता पूरख...', ये सब महिमा गुरबाणी में लिखी हुई है। उन्होंने भी परमात्मा को निराकार स्वरूप में देखा। पारसियों में भी 'अग्यारी' में जायेंगे तब वहाँ पर 'होली फायर' मिलता है। कहा जाता है कि जब पारसी ईरान से भारत आये तो जलती हुई ज्योत का एक टुकड़ा ले आये, जिसको कहते हैं, अखण्ड ज्योत। जिसे उन्होंने परमात्मा का दिव्य स्वरूप कहा। वहीं भारत में परमात्मा के प्रतीकात्मक रूप में पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, हर स्थान पर शिवलिंग की स्थापना है। जिन शिवलिंगों के नाम या तो नाथ के नाम से जुड़े हैं, या तो ईश्वर के साथ जुड़े हैं। जैसे कि सोमनाथ, विश्वनाथ, बद्रीनाथ..., रामेश्वर, त्रयम्बकेश्वर, गोपेश्वर, पापकटेश्वर... आदि आदि। इस प्रकार ये सब भी परमात्मा के निराकार ज्योति स्वरूप होने का प्रमाण देते हैं। अन्य देशों में शिवलिंग के या परमात्मा ज्योतिर्बिन्दु के नाम, जैसे बेबिलोन में 'शिऊन', मिश्र में 'सेव', फिजी में 'सेवाजिया', रोम में 'प्रियपस' आदि स्थानों पर भी शिवलिंग की पूजा इन नामों के आधार से की जाती है। इस प्रकार सभी धर्म पिताओं तथा धर्म ग्रन्थों ने भी स्पष्ट रूप से दर्शाया है कि परमात्मा शिव ज्योतिर्बिन्दु स्वरूप ही हैं, और वे हम सभी आत्माओं के परमपिता परमात्मा हैं और उन्होंने ही इस सृष्टि की रचना की है, वे ही रचयिता हैं। जैसे हम अपने वास्तविक स्वरूप को जानेंगे तो हम भी निराकार ज्योति स्वरूप, अर्थात् एक शक्ति हैं। जैसे हम हैं, वैसे हमारा पिता है। जैसे हम अपने आप(आत्मा) को देख नहीं सकते, वैसे ही हम परमात्मा को भी देख नहीं सकते। पर वो है तो सही ना! वो शक्ति है, ऊर्जा है, उसे जाना जा सकता है, समझा भी जा सकता है और अनुभव भी किया जा सकता है।

शंकर, राम और कृष्ण ने भी पूजा शिव को

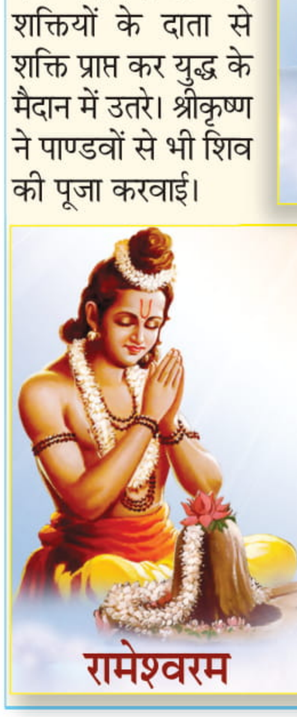

आज तक हमने परमात्मा शिव और शंकर को एक ही रूप में देखा, जाना, पूजा और याद किया। लेकिन यदि हम इनके बीच अंतर पर गौर करें तो हम पायेंगे कि शंकर सदा शिव की याद और आराधना में मग्न हैं। शंकर देवता हैं जबकि शिव परमपिता परमात्मा।

महाभारत युद्ध के पहले कुरुक्षेत्र के मैदान में स्वयं श्रीकृष्ण ने थाणेश्वर-सर्वेश्वर की स्थापना कर उस परमपिता सर्वशक्तिवान की आराधना की और शक्तियों के दाता से शक्ति प्राप्त कर युद्ध के मैदान में उतरे। श्रीकृष्ण ने पाण्डवों से भी शिव की पूजा करवाई।

श्रीराम ने भी ज्योतिर्लिंगम शिव की पूजा की और उनसे शक्तियाँ प्राप्त कर रावण पर विजय प्राप्त की। वो ज्योतिर्लिंग रामेश्वरम के नाम से प्रसिद्ध हुआ। रामेश्वरम अर्थात् राम के ईश्वर। इससे सिद्ध होता है कि शिव राम से भी ऊपर हैं।

पंच विकारों से मुक्ति पायें, पंच संकल्पों से खुशियां लायें

महाशिवरात्रि पर कई भक्त व्रत रखते, उपासना करते और परमात्मा शिव से वर मांगते। हम देवताओं पर तो कई प्रकार के पुष्प चढ़ाते, पर एक ही परमपिता परमात्मा शिव की यादगार शिवलिंग पर धतूरा और अक के फूल चढ़ाते हैं। हम भगवान से मांगते वरदान और अच्छी चीज़े हैं लेकिन चढ़ाते कड़वी चीज़ें हैं। क्या आपने कभी इस रहस्य को जानने की कोशिश की? आज हर व्यक्ति के अंदर कोई न कोई अच्छाई तो है, परंतु उसकी भेंट में बुराई ज़्यादा हावी है। ये पंच विकार(काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार) हैं। इसी के प्रतीकात्मक रूप में हम इन कड़वी चीज़ों को चढ़ाते हैं। इसका अर्थ है कि हमें हमारे जीवन में दुःख देने वाली कड़वी चीज़ों को छोड़ना है अर्थात् दृढ़ संकल्प करना है और जब ये संकल्प करेंगे तभी तो शिवरात्रि पर परमात्मा से सच्चा वर प्राप्त होगा। इन पंच संकल्पों द्वारा पंच विकारों से मुक्ति निश्चित रूप से मिलेगी इस शिवरात्रि पर आपको।

मन को करें साफ, औरों को करें माफ

कोई हमारी निंदा या विरोध करके अपने ऊपर पाप का बोझ या कर्मों का ऋण चढ़ाता, तो हमें उसे माफ कर देना है। उससे घृणा नहीं करनी। ना ही उससे अपने मन को मैला करना है। इस शुभ त्योहार पर हमेशा-हमेशा के लिए हम इसकी तिलांजलि दे दें।

गुलामी की सदा के लिए निलामी

हम मनुष्य आत्मायें काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार अर्थात् माया के बंधक या गुलाम बने हुए हैं। इन्हीं विकारों के ऋण से छूटने के लिए इस महान त्योहार पर हम इससे मुक्ति पाने का संकल्प लें।

ना नाराज़ होना है, ना नाराज़ करना है

वर्तमान समय हमारे आपात की स्थिति है। नाराज़गी रूपी धारा 144 जैसे कि हमारे जीवन का हिस्सा बनी हुई है। इसलिए हमें न स्वयं दुःख पाना है और न ही दूसरों को दुःखी करना है। न नाराज़ रहना है न किसी को नाराज़ करना है। हमें दूध और चीनी की तरह सबसे मिलकर रहना है और शिवबाबा के सामने ये संकल्प लेना है।

मायूसी से निकल खुशी से नाता जोड़ो

बेबसी को छोड़ा जाए और इसके लिए आत्मविश्वास किया जाए। क्योंकि आत्मविश्वास से ही भावना सुदृढ़ होगी। माया से पूर्णतः मुख मोड़कर ईश्वर से नाता जोड़ा जाये तो इससे खुशी बढ़ जायेगी।

मन साफ तो मुराद हासिल

जिस प्रकार हम बाहरी सफाई पर ध्यान देते हैं, ऐसे ही इस शिवरात्रि पर हमें सच्चाई के साथ मन-बुद्धि की सफाई कर उसे स्वच्छ बनाना है। स्व और दूसरों के लिए मन में श्रेष्ठ, शुभ और शुद्ध संकल्पों को सृजित करना है और उसे हमेशा कायम रखना है।

क्या आप भी खुशियों की तलाश में हैं? कहीं आप अपने मन की परेशानियों से जूझ तो नहीं रहे? कहीं आप अपने परिवार और सम्बंधों से टकराव के दौर से तो नहीं गुज़र रहे? स्वयं में सदा खुशी बरकरार रखने के लिए देखिए आपके अपने मनभावन चैनल 'अवेकनिंग' और 'पीस ऑफ माइंड' चैनल।

AWAKENING
To A New Way of Living

Peace of Mind
CABLE Network
Digital Cable
hathway SITI DEN DigiCable GTPL FASTWAY UCN JioTV
TATA SKY 1065 airtel digital TV 678
VIDEOCON d2h 497 dishtv 1087

To get Free to Air Channel - AWAKENING ask your DTH / Cable Operator Today.

- SATELLITE -
GSAT-17-93.5 D/L Frequency-4085 MHz
Symbol Rate-30.0 MSPS FEC-5/6 Roll off 20%
Polarization-Vertical

Call: 8209 333033, 8209 888988
Email: contact@awakeningtv.in

- Awakening TV Channel available on -
JioTV 1060 GTPL 578 MX Player Google Play
www.awakeningtv.in

AWAKENING
The Brahma Kumaris
24 hours Wellness TV Channel
created with the understanding
"When We Change... Our World Changes"

Our Thoughts influence our Feelings, our Body, our Relationships, our World. We have created stress, disease, conflict and chaos in the world ... only with our thinking.
AWAKENING...
to a New Way of Thinking... to a New Way of Living...
Together we will create HAPPINESS, HEALTH, HARMONY and HEAVEN on Earth.

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय